मेरी चालू बीवी-20

“इमरान भाभी- अच्छा ठीक है, मैं चलती हूँ तुम दोनों मजे करो… और हाँ… खिड़की बंद कर लेना… ही… ही… मैं चौंक गया… सलोनी दरवाजा बंद करके आ गई… मैं-... [Continue Reading] ...”

Story By: imran hindi (imranhindi)
Posted: Monday, May 19th, 2014
Categories: कोई देख रहा है
Online version: मेरी चालू बीवी-20

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी चालू बीवी-20

इमरान

भाभी- अच्छा ठीक है, मैं चलती हूँ तुम दोनों मजे करो… और हाँ… खिड़की बंद कर लेना… ही… ही…

मैं चौंक गया…

सलोनी दरवाजा बंद करके आ गई…

मैं- यह भाभी क्या कह रही थीं… खिड़की मतलब… क्या कल ये भी थीं… इन्होंने भी कुछ देखा क्या…

सलोनी- अरे नहीं जानू… हा हा हा… आज तो बहुत खुश थी… कल अंकल ने जमकर इनको…

मैं- क्या ? ? यह सच है… इन्होंने खुद तुमको बताया ?

सलोनी- और नहीं तो क्या… पहले तो शिकायत कर रही थी… फिर तो बहुत खुश होकर बता रही थी कि कल कई महीने के बाद इन्होंने मजे किये… जानू तुम्हारी शैतानी से इनके जीवन में भी रंग भर गया…

सलोनी- अच्छा आप चेंज करो, मैं बस जरा देर में नहाकर आती हूँ… अभी बहुत काम करने हैं…

मैंने देखा बेड पर सलोनी के काफी कपड़े फैले पड़े थे… एक कोने में एक सूट (सलवार, कुरता) भी रखा था…

वो सलोनी का तो नहीं था… वो जरूर भाभी का ही था…

मैंने उस सूट को उठा देखने लगा… तभी कुछ नीचे गिरा…

अरे ये तो एक जोड़ी ब्रा, चड्डी थे… सफ़ेद ब्रा और सफ़ेद ही चड्डी… दोनों साधारण बनावट के थे…

चड्डी तो उन्होंने पहनी ही नहीं थी, यह तो उनकी चूत के उभार से ही पता चल गया था…

पर अब इसका मतलब भाभी ने ब्रा भी नहीं पहनी थी..
मैंने दोनों को उठा एक बार अपने हाथ से सहलाया और वैसे ही रख दिया… और भाभी की चूत और चूची के बारे में सोचने लगा…
तभी मुझे अपने रिकॉर्डर का ध्यान आया… सलोनी तो बाथरूम में थी…
मैंने जल्दी से उसके पर्स से रिकॉर्डर निकाल उसको अपने फोन से जोड़ लिया…
और सुनते हुए… अपना काम करने लगा…
मैंने रिकॉर्डिंग सुनते हुए ही अपने सभी कपड़े निकाल दिए… कच्छा भी…
और तौलिया ले इन्तजार करने लगा… गर्मी बहुत थी.. सोचा नहाकर ही तैयार होता हूँ…
आज की रिकॉर्डिंग बहुत बोर थी… ज्यादातर खाली ही थी क्योंकि सलोनी अकेली थी तो बहुत जगह आवाज थी ही नहीं…
मैंने सोचा कि नहाने के बाद सलोनी के साथ ही मस्ती की जाये…
कि तभी… रिकॉर्डर मे आवाज आई…
ट्रीन्न्न्न्न… टिन्न्न्न्न…
यह तो मेरे घर की घण्टी थी…
कौन होगा… ???
सलोनी- कौन है ?
‘खोलो बेटा… ‘
दरवाजा खुलने की आवाज…
सलोनी- ओह आप… आइये अंकल… गुड मॉरनिंग…
ये अरविन्द अंकल थे… वो रात वाले… जिन्होंने पूरा लाइव शो देखा था…
अंकल- हाँ बेटा… गॉड ब्लेस यू… पुछ्ह्ह…
अंकल जब भी मिलते थे तो माथे पर किस करते थे… जो शायद उन्होंने की होगी…
सलोनी- अरे अंकल क्या करते हो, मेरे हाथ गंदे हैं… वो क्या है कि मैं कपड़े धो रही थी…
अंकल- अरे तो क्या हुआ बच्चे… तभी तू पूरी गीली है…

सलोनी- हाँ अंकल, बताइये क्या काम है…
मैं सोच रहा था कि पता नहीं सलोनी ने क्या पहना होगा… और अंकल को अब क्या दिखा रही होगी ???
अंकल- बेटा वो तेरी आंटी को भी अब तेरी तरह मॉडर्न कपड़े पहनने का शौक हो गया है… क्या तू उसको बाजार से शॉपिंग करवा देगी… अब उसको शौक तो हो गया… पर पता नहीं है कि कहाँ और कैसे… तो तू उसकी हेल्प कर देना…
सलोनी- हा हा अंकल, उनको या आपको… ?
अंकल- अरे मैं तो कबसे उसको बोलता था… कि तेरी तरह सेक्सी कपड़े पहना करे… पर मानती ही नहीं थी… अब खुद कह रही है…
सलोनी- क्यों ऐसा क्या हुआ ?
अंकल- यह तू उसी से पूछना…
सलोनी- ठीक है अंकल…
अंकल- और 2-4 ऐसी नाइटी भी दिला देना… जिसमें सब दिखे…
सलोनी- हा हा अंकल… आप भी ना… अब आंटी ऐसे कपड़े पहन किसको दिखाएंगी…
अंकल- अरे बेटी कितनी सेक्सी लगती है ना… मैं चाहता हूँ… वो तुम जैसी हो जाये… और जीवन के मजे ले…
सलोनी- ओह छोड़ो ना अंकल, क्या करते हो ?
??????

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
अंकल- और उसको अपने जैसा बोल्ड भी बना देना कि… किसी क़े सामने ऐसे कपड़े पहन आराम से खड़े हो सके…
सलोनी- अच्छा तो क्या आप भी मुझे गन्दी नजर से देख रहे हो…
अंकल- अरे नहीं बेटा… मैं तो तेरी तारीफ कर रहा हूँ… अगर तेरी आंटी भी तेरे जैसी हो जाये तो मैं तो फिर से जवान हो जाऊँगा…

सलोनी- अरे अंकल आप तो अभी भी जवान हो… किसने कह दिया कि आप बूढ़े हो…
अंकल- ओह थैक्स बेटा… कल तो तेरी आंटी भी मान गई… तभी तो ऐसे कपड़ों की ज़िद कर रही है !
सलोनी- ओके अंकल… मैं उनको खूब सेक्सी बना दूँगी… आप चिंता ना करो… अच्छा अब मुझे देखना बंद करो… आप आंटी को ही देखना… हे हे…
अंकल- अरे नहीं बेटा, तू तो है ही इतनी सेक्सी… कि हरदम देखने का दिल करता है…
सलोनी- ठीक है अब बहुत देख लिया… अब मुझे काम करने दो… बाय बाय…
अंकल- ओह बाय बेटा…
…
..
बस फिर ज्यादा कुछ नहीं था रिकॉर्डिंग में …
तभी सलोनी पूरी नंगी बाथरूम से बाहर आई.. हमेशा की तरह…
मुझे देख मुस्कुराई…
मैं भी उसको चूमकर- …अच्छा जान मैं भी फ्रेश हो लेता हूँ…
सलोनी- ओ के जानू…
मैं बाथरूम में चला गया।
मैं बाथरूम में जाकर नहाने की तैयारी कर ही रहा था कि मुझे दरवाजे की घण्टी की आवाज सुनाई दी….
ट्रीन्न्न्न… ट्रीन्न्न्न…
मैं सोचने लगा कि अभी कौन आ गया… प्रणव तो रात को आने वाला था…
कहानी जारी रहेगी।
imranhindi@hmamail.com